वो जब याद आए बहुत याद आए

डॉ. विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
visukhwani@gmail.com

वर्ष 1989 में राजश्री प्रोडक्शन की सलमान खान और भाग्यश्री अभिनीत फ़िल्म 'मैंने प्यार किया' ने पूरे देश में धूम मचा दी थी. 'मैंने प्यार किया' फिल्म वर्ष 1989 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी. इस फिल्म के सभी 10 गानों ने धूम मचा दी. 'मेरे रंग में रंगने वाली', 'दिल दीवाना बिन सजना के माने ना', 'आजा शाम होने आई', 'कबूतर जा जा जा', 'आया मौसम दोस्ती का', 'कहे तो से सजना तोहरी सजनिया' जैसे सभी गाने देश के घर घर में गूंजने लगे. लेकिन इस फ़िल्म के कई सुपर हिट गानों के पीछे जिस महान गीतकार की कलम थी, वह उस समय बिस्तर पर अपनी ज़िन्दगी के आखिरी पल जी रहा था .

हम बात कर रहे हैं मशहूर गीतकार 'असद भोपाली' की. कई वर्षों तक कई उत्कृष्ट गीत लिखने के बाद गीतकार असद भोपाली को ज़िन्दगी के आखिरी दिनों में इस फ़िल्म के लिये मिला फिल्मफेयर पुरस्कार, लेकिन अफ़सोस कि उस समय वे लकवा ग्रस्त होने के कारण पुरस्कार लेने समारोह में नहीं जा सके. विडंबना देखिये कि जिस सम्मान क़ा उन्होंने पूरा जीवन इंतजार किया, वह मिलने के बाद भी अपने हाथों से न ले सके .

भोपाल में जन्मे असद भोपाली बचपन से ही शायरी के शौकीन थे. उनका पूरा नाम 'असदुल्लाह खान' था. उनके पिता मुंशी अहमद खां शिक्षक थे और बच्चों को अरबी-फारसी पढ़ाया करते थे. पूर्व राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा भी उनके शिष्यों में से एक थे. वो घर में ही बच्चों को पढ़ाया करते थे, इसी कारण असद को अरबी-फारसी और उर्दू में महारत हासिल हुई .

21 साल की उम्र से ही वे मुशायरों में शेर पढ़ने लगे थे. साल 1949 में भोपाल के एक मुशायरे में उनकी शायरी सुनकर फ़िल्म निर्माता फजली ब्रदर्स और फ़िल्म निर्देशक हसनैन ने उन्हें फ़िल्म 'दुनिया' के गीत लिखने के लिए 500 रुपये में साइन कर लिया. दरअसल इस फ़िल्म के गाने शायर आरज़ू लखनवी लिख रहे थे लेकिन दो गीत लिखने के बाद विभाजन के कारण आरज़ू पाकिस्तान चले गये और इस तरह असद को गीत लिखने का पहला मौका मिला, इसके बाद वे बंबई आ गए, लेकिन यहां उन्हें अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा. 'दुनिया' के संगीतकार सी. रामचन्द्र थे . इस फ़िल्म में लिखा उनका नगमा 'अरमान लुटे दिल टूट गया' जो सुरैया ने गाया था, काफ़ी सराहा गया, पर उन्हें पहली बड़ी सफलता बीआर चोपड़ा की फ़िल्म 'अफ़साना' से मिली, जिसके लता मंगेशकर की आवाज में गाया गीत 'वो पास रहकर भी पास नहीं' और मुकेश की आवाज में गीत 'किस्मत बिगड़ी दुनिया बदली' ने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में एक पहचान दिलाई.

बम्बई पहुंचने के 13 साल बाद उन्हें फ़िल्म 'पारसमणि' जो संगीतकार लक्ष्मीकान्त-प्यारेलाल की पहली फ़िल्म थी , के गाने लिखने का अवसर मिला,

1963 में जब फिल्म 'पारसमणि' प्रदर्शित हुई तो न सिर्फ़ इसका गीत-संगीत लोकप्रिय हुआ, बल्कि गानों की ही बदौलत फ़िल्म भी सुपर हिट हुई . इस फ़िल्म की कामयाबी में असद भोपाली के लिखे गानों का बड़ा योगदान था . खास तौर से 'हंसता हुआ नूरानी चेहरा...' और 'वो जब याद आये, बहुत याद आये...'. अब भी याद किए जाते हैं. इसके बाद उन्होंने लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, उषा खन्ना, राम लक्ष्मण जैसे प्रसिद्ध संगीतकारों के साथ काम किया.

1949 से लेकर 1990 तक अपने चार दशक के लंबे फ़िल्मी कॅरिअर में उन्होंने दुनिया, अफसाना, बरसात, पारसमणि, एक सपेरा एक लुटेरा, हम सब उस्ताद हैं, उस्तादों के उस्ताद, आया तूफान, इंसाफ, बिन फेरे हम तेरे, तथा मैंने प्यार किया सहित 100 से ज्यादा फिल्मों में 400 से अधिक गीत लिखे.

'वो जब याद आए', 'हंसता हुआ नूरानी चेहरा' (पारस मणी), 'दिल का सूना साज तराना ढूंढेगा' (एक नारी दो रूप) और 'हम तुमसे जुदा होकर' (एक सपेरा एक लुटेरा), ऐ मेरे दिल-ए-नादां (टॉवर हाउस), 'दिल की बातें दिल ही जाने' (रूप तेरा मस्ताना), 'सौ बार जनम लेंगे, सौ बार फना होंगे' (उस्तादों के उस्ताद), 'दो दिल धड़क रहे हैं और आवाज़ एक है' (इंसाफ), 'अभी कमसिन हो नादाँ हो' (आया तूफान), 'अजनबी तुम जाने पहचाने से लगते हो', 'प्यार बांटते चलो' (हम सब उस्ताद हैं), 'आप की इनायतें आप के करम' (वंदना), 'दोस्त बन के आये जो दोस्त बन के ही रहना' (बिन फेरे हम तेरे) और फ़िल्म 'मैंने प्यार किया' के कई यादगार गीत लिखने के बावजूद उन्हें वह पहचान नहीं मिली जिसके वे हकदार थे.अपने इस दर्द को उन्होंने फ़िल्म 'एक नारी दो रूप' के इस गीत में इस तरह व्यक्त भी किया है,

दिल का सूना साज तराना ढूंढेगा,
मुझको मेरे बाद जमाना ढूंढेगा.
मेरे दिल की आग बटेंगी दुनिया के परवानों में,
वक्त मेरे गीतों का खजाना ढूंढेगा

कई सफल और लोकप्रिय गीतों के बाद भी असद भोपाली के हिस्?से में छोटे बजट की फिल्?में ही आईं. अपने समकालीन कई बड़े और दिग्गज गीतकारों शकील बदायूंनी, शैलेंद्र, हसरत जयपुरी, साहिर लुधियानवी, मजरूह सुल्तानपुरी, राजेंद्र कृष्ण, आनंद बख्शी की मौजूदगी के कारण असद भोपाली शीर्ष नायकों और संगीतकारों वाली फिल्?मों में काम नहीं पा सके. कम काम मिलने का एक कारण असद भोपाली का स्?वाभिमानी स्वभाव भी था, उन्?होंने काम की तलाश में कभी हाथ नहीं फैलाया .

आखिरकार आया साल 1989, जब निर्देशक 'सूरज बडजात्या' ने उन्हें अपनी सर्वकालिक सुपर हिट फ़िल्म 'मैंने प्यार किया' के गीत लिखने का अवसर दिया. असद भोपाली और गीतकार देव कोहली ने फ़िल्म के लिये एक से बढ़कर एक गाने लिखे, जो सभी सुपर हिट हुए और इस फ़िल्म के लिये असद भोपाली के लिखे गीत 'दिल दीवाना बिन सजना के माने ना' के लिये उन्हें सर्वश्रेष्ठ गीतकार का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला.

जून 1990 में असद भोपाली इस दुनिया को छोड़कर चले गए. लेकिन उनके लिखे गीत आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं और उनकी याद दिलाते रहते हैं.आज भी हिंदी फ़िल्म संगीत के प्रेमी उन्हें एक संवेदनशील शायर और उत्कृष्ट गीतकार के रूप में याद करते हैं. और क्यों न करें, आखिर असद भोपाली ने खुद ही लिखा है - 'असद' को तुम नहीं पहचानते तअज्जुब है, उसे तो शहर का हर शख़्स जानता होगा. आज के लिये इतना ही, अगले सप्ताह फिर मुलाक़ात होगी, तब तक असद भोपाली साहब का लिखा फ़िल्म पारसमणी का ये अमर गीत 'वो जब याद आए बहुत याद आये' सुनिये, इसे महसूस कीजिये और आनंदित रहिये....

वो जब याद आए बहुत याद आए
ग़म-ए-ज़िंदगी के अंधेरे में हमने
चिराग-ए-मुहब्बत जलाए बुझाए

आहटें जाग उठीं रास्ते हंस दिये
थामकर दिल उठे हम किसी के लिए
कई बार ऐसा भी धोखा हुआ है
चले आ रहे हैं वो नज़रें झुकाए

दिल सुलगने लगा अश्क़ बहने लगे
जाने क्या-क्या हमें लोग कहने लगे
मगर रोते-रोते हंसी आ गई है
ख़यालों में आके वो जब मुस्कुराए

वो जुदा क्या हुए ज़िंदगी खो गई
शम्मा जलती रही रोशनी खो गई
बहुत कोशिशें कीं मगर दिल न बहला
कई साज़ छेड़े कई गीत गाए

देश सेवा मेरे खून में है : भूमि

भूमि पेडनेकर बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं जिन्होंने कम समय में अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में मजबूत पहचान बनाई है. अपने अभिनय के जरिए सामाजिक मुद्दों को पर्दे पर प्रभावी ढंग से पेश करने वाली भूमि अब एक अलग वजह से चर्चा में हैं. हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने राजनीति को लेकर अपनी सोच साझा की, जिसके बाद उनके बयान की खूब चर्चा हो रही है.

अभिनेत्री ने कहा कि देश सेवा की भावना उनके परिवार की विरासत का हिस्सा रही है. उन्होंने बताया कि समाज और देश के लिए कुछ बेहतर करने की इच्छा हमेशा से उनके भीतर रही है. इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में सही अवसर मिलता है और उन्हें लगता है कि वे लोगों के लिए सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं, तो राजनीति में कदम रखने पर विचार कर सकती हैं. भूमि का यह बयान ऐसे समय में आया है जब फिल्म जगत की कई हस्तियां राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं. भारतीय राजनीति में सिनेमा जगत के कलाकारों की भागीदारी कोई नई बात नहीं है. ऐसे में भूमि के बयान ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या आने वाले समय में वह भी सार्वजनिक जीवन में बड़ी भूमिका निभाती नजर आएंगी. हालांकि अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान अपने फिल्मी करियर और आगामी प्रोजेक्ट्स पर है. उन्होंने राजनीति में तत्काल प्रवेश की किसी योजना से इनकार किया, लेकिन भविष्य की संभावनाओं को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया. यही बात उनके बयान को खास बनाती है. भूमि पेडनेकर ने हमेशा ऐसे विषयों पर खुलकर अपनी राय रखी है जो समाज से जुड़े होते हैं. पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता जैसे मुद्दों पर उनकी सक्रियता पहले भी देखने को मिल चुकी है. ऐसे में राजनीति को लेकर उनकी सकारात्मक सोच कई लोगों को प्रभावित कर रही है.

अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकीं रश्मिका

रश्मिका मंदाना आज भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, प्रतिभा और निरंतर शानदार प्रदर्शन के दम पर देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पहचान बनाई है. हाल ही में अनिमे टोक्यो अवार्ड्स में उनकी मौजूदगी इसी बढ़ती लोकप्रियता का एक और उदाहरण बनकर सामने आई है. इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में पहुंचीं रश्मिका ने अपने आकर्षक और ग्लैमरस लुक से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया.

इवेंट के दौरान अभिनेत्री बेहद खूबसूरत परिधान में नजर आईं. उनका स्टाइल, आत्मविश्वास और सहज व्यक्तित्व रेड कार्पेट पर अलग ही चमक बिखेरता दिखाई दिया. सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में रश्मिका कैमरे के सामने अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों को फैंस और मनोरंजन जगत से जुड़े कई लोगों ने खूब पसंद किया है.

रश्मिका मंदाना ने पिछले कुछ वर्षों में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है. दक्षिण भारतीय फिल्मों से लेकर हिंदी सिनेमा तक उनका सफर लगातार सफल रहा है. यही वजह है कि आज वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करती दिखाई देती हैं. अनिमे टोक्यो अवार्ड्स में उनकी उपस्थिति को भारतीय मनोरंजन जगत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है.

सोशल मीडिया पर तस्वीरें सामने आने के बाद फैंस ने अभिनेत्री की जमकर तारीफ की. किसी ने उन्हें 'ग्लोबल स्टार' बताया तो किसी ने उनके स्टाइल को 'परफेक्ट' कहा. कई प्रशंसकों ने कमेंट कर लिखा कि रश्मिका हर मंच पर भारतीय सिनेमा का मान बढ़ा रही हैं. रश्मिका का यह शानदार अंदाज केवल फैशन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनकी बढ़ती वैश्विक लोकप्रियता और प्रभाव का भी संकेत देता है. अभिनय, व्यक्तित्व और स्टाइल के बेहतरीन संतुलन के साथ वह लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही हैं. उनकी मौजूदगी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि रश्मिका मंदाना आज भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित और प्रभावशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं.

पुराने दौर को जीवंत बनाएगी गवर्नर

मनोज बाजपेयी और अदा शर्मा अभिनीत फिल्म 'गवर्नर' इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शुमार है. ट्रेलर रिलीज़ होने के बाद से ही यह फिल्म लगातार सुर्खियों में बनी हुई है. भारत के 1990 के आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म देश के इतिहास के एक महत्वपूर्ण दौर को बड़े पर्दे पर जीवंत करने का प्रयास करती है.

फिल्म की दमदार कहानी के साथ-साथ इसकी प्रामाणिकता भी चर्चा का विषय बनी हुई है. मेकर्स ने 1990 के दशक के माहौल को हूबहू पर्दे पर उतारने के लिए काफी मेहनत की. सबसे बड़ी चुनौती आधुनिक दौर की लोकेशनों को तीन दशक पीछे ले जाना था.

फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर वास्तविक लोकेशनों पर की गई है. ऐसे में आधुनिक कारों, साइनबोर्ड्स, बिलबोर्ड्स, मोबाइल टावर्स, एलईडी डिस्प्ले और अन्य आधुनिक तत्वों को फ्रेम से हटाने या छिपाने के लिए विशेष योजना बनाई गई. इतना ही नहीं, कलाकारों और भीड़ में शामिल लोगों के हेयरस्टाइल, पहनावे और बॉडी लैंग्वेज तक पर बारीकी से काम किया गया .

टेलीविजन हलचल

रोमांच मोड़ लाएगी अनु-राही की टक्कर

रुपाली गांगुली स्टारर 'अनुपमा' पिछले कई वर्षों से भारतीय टेलीविजन का सबसे चर्चित और सफल धारावाहिक रहा है। शो ने अपनी भावनात्मक कहानी, मजबूत किरदारों और पारिवारिक ड्रामे के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। हालांकि हाल के सप्ताहों में इसकी टीआरपी में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। शो इस सप्ताह भी पांचवें स्थान पर कायम है, लेकिन इसकी रेटिंग 1.6 से घटकर 1.5 अंक पर पहुंच गई है . वर्तमान कहानी में अनु और राही के बीच प्रतिस्पर्धा को प्रमुखता से दिखाया जा रहा है। दोनों अपने-अपने कैफे को सफल बनाने की कोशिश में जुटी हैं और इसी संघर्ष के इर्द-गिर्द कहानी आगे बढ़ रही है। इस ट्रैक में रिश्तों की जटिलता, भावनात्मक टकराव और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा का मिश्रण देखने को मिल रहा है। निर्माताओं को उम्मीद थी कि यह नया मोड़ दर्शकों को आकर्षित करेगा और शो की टीआरपी में बढ़ोतरी होगी। हालांकि सोशल मीडिया पर इस कहानी को लेकर काफी चर्चा हो रही है, लेकिन रेटिंग में इसका असर फिलहाल दिखाई नहीं दिया है। कई दर्शकों का मानना है कि शो की कहानी पहले की तुलना में धीमी हो गई है, जबकि कुछ प्रशंसक नए ट्रैक को दिलचस्प और मनोरंजक बता रहे हैं . यही वजह है कि दर्शकों की राय इस समय बंटी हुई नजर आ रही है .

सेहर होने को है' में नई हीरोइन की चर्चा

'सेहर होने को है' इन दिनों टेलीविजन इंडस्ट्री के सबसे चर्चित शोज में से एक बना हुआ है . शो ने शुरुआत से ही अपनी अलग कहानी और मुख्य कलाकारों की प्रभावशाली मौजूदगी के दम पर दर्शकों का ध्यान खींचा . पार्थ समथान और रिशिता कोठारी की जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा, वहीं दोनों के बीच की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री शो की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी . लेकिन अब शो से जुड़ी एक नई खबर चर्चा का विषय बन गई है . अभिनेत्री हिमांशी पराशर शो में रिशिता कोठारी की जगह ले सकती हैं . बताया जा रहा है कि हिमांशी इस भूमिका के लिए मजबूत दावेदार हैं और निर्माताओं द्वारा उनके नाम पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है . हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इन खबरों ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है . शो के प्रशंसक सोशल मीडिया पर लगातार अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं . कुछ दर्शकों का मानना है कि रिशिता कोठारी ने अपने किरदार को प्रभावशाली ढंग से निभाया है और उनकी जगह किसी अन्य कलाकार को स्वीकार करना आसान नहीं होगा . वहीं कुछ लोग हिमांशी पराशर की प्रतिभा और लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें इस भूमिका में देखने के लिए उत्साहित भी हैं . हिमांशी पराशर पहले भी कई लोकप्रिय टीवी प्रोजेक्ट्स में अपनी अभिनय क्षमता साबित कर चुकी हैं . उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और भावनात्मक दृश्यों को निभाने की शैली दर्शकों को पसंद आती रही है . ऐसे में यदि वह वास्तव में शो का हिस्सा बनती हैं, तो कहानी में नए बदलाव और दिलचस्प मोड़ देखने को मिल सकते हैं . शो की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है . इसकी कहानी, भावनात्मक उतार-चढ़ाव और रोमांटिक ट्रैक दर्शकों को बांधे रखने में सफल रहे हैं . यही कारण है कि किसी भी संभावित कास्टिंग बदलाव की खबर तुरंत सुर्खियों में आ जाती है . फिलहाल दर्शकों को आधिकारिक घोषणा का इंतजार है .

करोड़ों कमाती हैं सुष्मिता सेन

सुष्मिता सेन हमेशा से ही अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं. इसी के साथ अक्सर वो अपनी लव लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं. सुष्मिता की उम्र 50 साल की हैं लेकिन उन्होंने अब तक शादी नहीं की है. आए दिन उनका नाम किसी न किसी एक्टर के साथ जुड़ता रहता है. कुछ सालों पहले ही उनका नाम आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी के साथ उनका रिश्ता भी काफी चर्चा में रहा. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान ललित मोदी ने सुष्मिता के बारे में कुछ ऐसी बातें बताई हैं. जिसकी वजह से वो दोबारा से सुर्खियों में आ गई हैं.

बहुत ही कम लोगों को सुष्मिता की नेट वर्थ के बारे में पता होगा. बता दें कि सुष्मिता सेन का जन्म 19 नवंबर 1975 को हैदराबाद में हुआ था. बॉलीवुड में अपना कदम रखने से पहले ही उन्होंने 1994 में मिस यूनिवर्स का ख़िताब अपने नाम कर लिया था. इसके बाद दस्तक फिल्म से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की. रिपोर्ट्स के अनुसार उनकी नेटवर्थ 100 करोड़ रुपये के आसपास है. आज रक सुष्मिता सेन ने शादी नहीं की लेकिन उन्होंने 2 बेटियों को गोद लिया हुआ है.

61 की उम्र में फिर दूल्हा बनेंगे आमिर खान

गर्लफ्रेंड गौरी संग 5 जुलाई को रचाएंगे तीसरी शादी

आमिर खान इन दिनों काफी सुर्खियों में चल रहे हैं। खबरों के मुताबिक वो जल्द ही अपनी गर्लफ्रेंड गौरी संग ब्याह रचाएंगे. दोनों काफी समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं और अब जल्द ही दोनों शादी के बंधन में बंध जाएंगे. अगर यह खबर सच साबित होती है तो यह आमिर खान की तीसरी शादी होगी.

रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टर इस शादी को बहुत ही निजी और सीमित दायरे में रखना चाहते हैं. बताया जा है है कि वे किसी बड़े और भव्य आयोजन की बजाय एक सिंपल समारोह करेंगे, जिसमें सिर्फ उनके बेहद करीबी रिश्तेदार और खास दोस्त ही शामिल होंगे. खबरों के मुताबिक दोनों बहुत ही सिम्पल और सादा तरीके से शादी करेंगे, जिसमें कपल की प्राइवेसी को प्राथमिकता दी जाएगी. बताया जा रहा है कि इस इवेंट में बस कुछ खास दोस्त और रिश्तेदार ही शामिल होंगे. दोनों के प्यार की चर्चा उस समय तेज हो गई जब आमिर खान ने अपनी लव लाइफ को लेकर एक बयान दिया था. उन्होंने बताया था कि गौरी बेंगलुरु में रहती हैं और वे उनसे मिले वहीं जाते थे. इसके अलावा जब उनसे उनकी तीसरी शादी को लेकर सवाल किये गए थे तो उन्होंने कहा कि हमें 60 साल की उम्र में शादी करना शोभा नहीं देता. आमिर खान और उनकी गर्लफ्रेंड पिछले एक साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और साथ में बहुत ही खुश है.

क्रिकेट से अखाड़े तक छाया राम चरण का जादू

राम चरण स्टारर 'पेड्डी' एक ऐसी फिल्म है, जो मनोरंजन के साथ भावनात्मक जुड़ाव और सामाजिक संदेश का मजबूत मिश्रण पेश करती है. निर्देशक बुच्ची बाबू सना ने कहानी को गांव की पृष्ठभूमि में गढ़ते हुए उसे खेल और संघर्ष की प्रेरणादायक यात्रा से जोड़ा है. फिल्म का मुख्य किरदार अपने गांव के लोगों के अधिकार, सम्मान और पहचान के लिए लड़ता है. यही पहलू इसे सामान्य स्पोर्ट्स ड्रामा से अलग बनाता है.
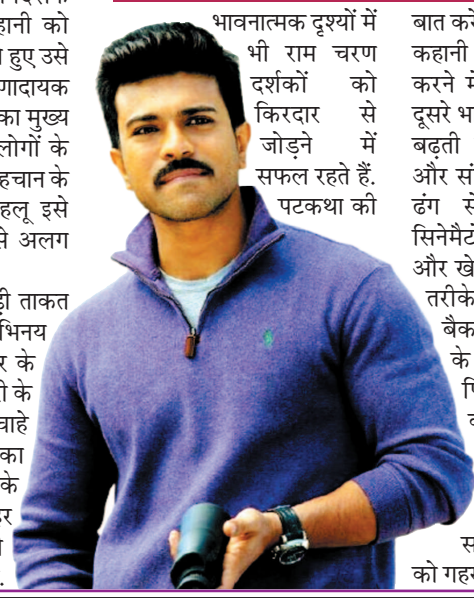
फिल्म की सबसे बड़ी ताकत राम चरण का शानदार अभिनय है. उन्होंने अपने किरदार के हर भाव को पूरी ईमानदारी के साथ पर्दे पर उतारा है. चाहे मैदान में जोश दिखाने का दृश्य हो या गांव के लोगों के लिए संघर्ष करने का, हर फ्रेम में उनकी मौजूदगी प्रभाव छोड़ती है. भावनात्मक दृश्यों में भी राम चरण दर्शकों को किरदार से जोड़ने में सफल रहते हैं. पटकथा की बात करें तो फिल्म का पहला भाग कहानी और किरदारों को स्थापित करने में समय लेता है, जबकि दूसरे भाग में घटनाएं तेजी से आगे बढ़ती हैं. खेल प्रतियोगिताओं और संघर्ष के दृश्यों को प्रभावी ढंग से फिल्माया गया है. सिनेमैटोग्राफी गांव की खूबसूरती और खेल के रोमांच को शानदार तरीके से प्रस्तुत करती है. बैकग्राउंड म्यूजिक कई दृश्यों के प्रभाव को और बढ़ाता है. फिल्म में सामाजिक मुद्दों को भी संवेदनशीलता के साथ उठाया गया है. गांव के अस्तित्व, लोगों के अधिकार और सामूहिक संघर्ष जैसे विषय कहानी को गहराई प्रदान करते हैं.